25-6-2001

# बालक सो मालिक का प्रत्यक्ष रूप में एक्जैम्पल बनो

## (हैदराबाद की जमीन पर निर्माण कार्य हेतु सन्देश)

आज आप सबकी याद-प्यार वा समाचार लेते हुए जब बापदादा के पास पहुँची। तो बापदादा सामने ही बहुत स्नेह स्वरूप में ऐसे खड़े थे, जैसे बच्चों को बाप बाहें पसार कर बुलाते हैं, ऐसे हमें भी आओ बच्ची, आओ बच्ची कहकर बुला रहे थे। मैं जाकर बाबा की बांहों में समा गई। कुछ समय तो मैं उसी अनुभव में लवलीन थी। बाद में बाबा ने पूछा बच्ची क्या समाचार लाई हो? मैंने बोला बाबा आज ड्रामा में आपका निमित्त बना हुआ रूहानी माइक (चन्द्राबाबू नायडू) द्वारा जो जमीन मिली है, उनके प्रति समाचार लाई हूँ। तो बापदादा बहुत स्नेह से बोले कि ड्रामा में हर आत्मा का छिपा हुआ भाग्य समय पर प्रत्यक्ष हो जाता है। बापदादा देख रहे हैं कि बच्चे ने बड़ी समझदारी से कार्य किया है। अब फिर सब आन्ध्रा निवासी ब्राह्मण बच्चों को भी बड़े स्नेह, सहयोग, शुभ भावना से अपनी-अपनी विशेषता को कार्य में लगाना है। ऐसा एक्जैम्पुल दिखाने का चांस मिला है। यही दिखाना है कि हम सब एक हैं, एक ने कहा दूसरे ने माना, क्योंकि मानना ही माननीय बनना है।

बापदादा तो आन्ध्रा के भाग्य को देख हर्षित हो रहे हैं कि बड़े जोन तो बड़े हैं लेकिन यह महाराष्ट्र में भी छोटा सबज़ोन, छोटा सुभान बाप निकला। यह गोल्डन चांस आन्ध्रा को मिला है। बापदादा ने समाचार सुना कि सब प्रकार के कार्य करने वाले अच्छे-अच्छे हिम्मत वाले बच्चे भी वहाँ हैं, जो मिलकर कार्य सफल कर सकते हैं। प्लैन बनाने वाली बच्ची का भी बापदादा ने समाचार सुना। अच्छा सोचकर बनाया है। बाकी जमीन के अनुसार नीचे ऊपर सेट करना तो राय करके ही करेंगे। सब वहाँ के ही हैण्डस मिलकर सहयोगी बनायेंगे लेकिन साथ-साथ मधुबन के वा और किसी तरफ के भी कार्य करने वाले अनुभवी आत्माओं का भी अवश्य सहयोग लेते रहना है। अच्छा है जैसे यह भाग्यवान आत्मा (चीफ मिनिस्टर) विशेष माइक एक एक्जैम्पुल बना है, ऐसे ही ब्राह्मण बच्चे भी ब्राह्मण संसार में हर कार्य में

बालक सो मालिक का प्रत्यक्ष रूप दिखायेंगे। राय देने समय मालिक, लेकिन जब मैजारिटी वा निमित्त बने बड़े फाइनल करें तो बालक बन दिल से स्वीकार करें, न कि मजबूरी से। इसको कहा जाता है बालक सो मालिक। बोलो, सभी बच्चे ऐसा एक्जैम्पुल बनेंगे ना!

सब आये हुए बच्चों में यही उमंग रहे कि अपने में हिम्मत, उमंग, दृढ़ता और हर एक को स्वमान देने की भावना से आगे बढ़ते रहेंगे तो अवश्य एक्जैम्पल बन फाइनल एक्जाम में नम्बर आगे बन जायेंगे। बापदादा तो सदा हर बच्चे को सफलता का वरदान देते ही हैं।